

Μιγκαζελι, Gr. Cod. N. 4, σελ. 279-297.

ΡΟΥΓΓΑΝΟΣ

ΠΑΧΩΜΙΟΣ

Υπό Μιγκαζελι περιγράφοντος ἐξ ἑν. τὸν ὑπ' α'. 127 κώδικα (16 α.) σημειοῦται:

XIII. Pag. 133. Tit. + παχωμῖς μοναχοῦ κατὰ ἁγιοκατηγόρων. ἦτοι etc. ut

cod. 125 num. 18.

XIV. Pag. 142. Tit. + τοῦ αὐτοῦ. περὶ εἰκόνοσ καὶ τοῦ κατ' εἰκόνα. In marg. ἔστι
κατὰ ἀρετιανῶν καὶ νεστοριανῶν. Vid. cod. 125. num. 19.

XV. Pag. 149. Tit. παχωμῖς μοναχοῦ ὁμολογία εἰς τινὰ τῶν ρητῶν etc. ut cod.
125. num. 24.

XVI. Pag. 164. Tit. παχωμίου μοναχοῦ εἰ ἐν θτὶ θάνατος καὶ πῶς εἰσῆλθε etc.



Initium: ὁ θεὸς θάνατον οὐκ ἐποίησε κατὰ τὴν γραφήν.

XVII. Pag. 167. Tit. + παχωμιὸς μοναχοῦ. * λόγος ὑπεραποχρηστικὸς τε etc. ut cod. 125. 104. 20.

XVIII. Pag. 190. Epistola ejusdem Pachomii. Inscriptio + διουσίῳ ἱερομονάχῃ τῷ ἀναχωρη-
τῇ. Initium: ὡς δὲ ποτὶ μέγ ἄγιε. Vid. ad. 125. 104. 21. ~ ~ ~ ~ ~

XIX. Pag. 191. Opusculum ejusdem Pachomii, nempe collectio monachorum ecclesiasti-
corum, ex quibus constat, vitam monachorum debere esse eremiticam. Tit. + συνοχὴ
διαφόρων τε γαίων. ὅτι δὲ τοῦτ' ἐν τῇ αἰτῇ μουῇ μοναχῇ ποιῶντες βίον κατὰ πᾶν ~ ~ ~ ~

XX. Pag. 207. Epistola ejusdem. Tit. παχωμιὸς μοναχοῦ. Inscriptio: παλαιὸν
τῷ ποτὶ μετροπολίτῃ & σακρυνίτῃ. Initium: ἔγω γὰρ ἐὼν ὁρμὴν ἀνδρῶν τῶνδε.

XXI. Pag. 213. Ejusdem canon, ut graeci vocant, in sanctos Athanasium
et cyrilum. Tit. Παχωμίου: κατὰ τὴν ἀνάγκην καὶ κατὰ τὸν ὅρον ἁγίων ἁγίων.

* [παχωμιὸς Ρουσσῆνος]